



Ministry of Women  
and Child Development



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

## नारी शक्ति पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





स्मृति जूबिन इरानी  
Smriti Zubin Irani

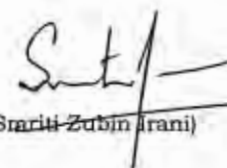


मंत्री  
महिला एवं बाल विकास  
भारत सरकार  
नई दिल्ली  
Minister  
Women & Child Development  
Government of India  
New Delhi

As we celebrate 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' this year, the Nation recognizes exceptional achievements of women and their increased visibility, while continuing the endeavour to promote women's rights as key to gender equality and attaining Sustainable Development for nation building. In order to critically reflect on accomplishments and strive for a greater momentum towards gender equality, the Ministry of Women & Child Development confers 'Nari Shakti Puraskar' to acknowledge the exceptional accomplishments of women and contribution of individuals and institutions towards promoting women's right to equality and their empowerment, in their own unique way.

The recipients of 'Nari Shakti Puraskar' for the years 2020 and 2021 too, are outstanding women who have proved that nothing can stop a woman from achieving their goal. These women have not allowed any form of discrimination or disadvantage to come in the way of their pursuit to accomplish excellence and have thus shown incredible resilience and perseverance.

I extend my warm wishes to all the recipients. I am sure that these women will inspire young Indian minds and reinforce in them a commitment to contribute towards Nation building.

  
(Smriti Zubin Irani)



Office Address Room No 301, 'A' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi 110001  
Tel.: No. 011-23071331, 23071332, 23071327, 23071328, 23071329  
Resi.: 28, Tughlak Crescent, New Delhi-110003, Phone : 011-23011382





स्मृति जूबिन इरानी  
Smriti Zubin Irani



मंत्री  
महिला एवं बाल विकास  
भारत सरकार  
नई दिल्ली  
Minister  
Women & Child Development  
Government of India  
New Delhi

जब हम इस वर्ष 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहे हैं, राष्ट्र महिलाओं के अधिकारों को लैंगिक समानता की कुंजी के रूप में बढ़ावा देने और राष्ट्र निर्माण के लिए सतत विकास हासिल करने के प्रयासों को जारी रखते हुए महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों और उनकी दूर दर्शिता का सम्मान कर रहा है। महिलाओं की उपलब्धियों को विशिष्ट तौर पर दर्शाने और लैंगिक समानता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और गति प्रदान करने के लिए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, महिला सशक्तिकरण को अद्वितीय तरीके से बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के उत्कृष्ट योगदान को सम्मान देने हेतु प्रति वर्ष 'नारी शक्ति पुरस्कार' प्रदान करता है।

वर्ष 2020 और 2021 के लिए 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित सभी विजेताएं अपने आप में अद्वितीय हैं। जिन्होंने यह साबित किया है कि महिलाओं को उत्कृष्टता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने अपनी उपलब्धि की राह में किसी भी प्रकार के भेद भाव या प्रतिकूल परिस्थितियों को आड़े नहीं आने दिया, और इस प्रकार अन्य व्यक्तियों के अनुसरण हेतु अतुल्यनम्यता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया है।

मैं आप सभी पुरस्कार विजेताओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ। मुझे विश्वास है कि पुरस्कार जीतने वाली सभी महिलाएं, युवा भारतीयों को प्रेरित करते हुए उनमें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेंगी।

स्मृति जूबिन इरानी  
(स्मृति जूबिन इरानी)



Office Address Room No 301, 'A' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi 110001  
Tel.: No. 011-23071331, 23071332, 23071327, 23071328, 23071329  
Resi.: 28, Tughlak Crescent, New Delhi-110003, Phone : 011-23011382



डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई  
Dr. Munjpara Mahendrabhai  
(M.D. Medicine)



सत्यमेव जयते



राज्य मंत्री  
महिला एवं बाल विकास और आयुष  
भारत सरकार  
Minister of State for  
Women & Child Development and AYUSH  
Government of India

#### MESSAGE

We are celebrating the International Women's Day this year as a part of '**Azadi ka Amrit Mahotsav**' to mark the 75 years of Independence. Our journey of progress since Independence has been unprecedented and remarkable and the women have made a valuable contribution to our nation's development. I salute the indomitable courage and spirit of all women and girls on this occasion. However, simultaneously, we need to strive for greater momentum towards achieving gender equality and Sustainable Development.

On this International Women's Day, the Ministry of Women and Child Development is bestowing '**Nari Shakti Puraskar**' on achievers to recognize and appreciate their exceptional work for women's empowerment.

We re-affirm our collective commitment towards promoting holistic development of women and ensuring their equal rights in all spheres of life.

I extend my heartiest congratulations to the Awardees for their unflinching conviction in pursuit of their dreams and dedicated efforts for the betterment of society.

(Dr. Munjpara Mahendrabhai)





डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई  
Dr. Munjpara Mahendrabhai  
(M.D. Medicine)



राज्य मंत्री  
महिला एवं बाल विकास और आयुष  
भारत सरकार  
Minister of State for  
Women & Child Development and AYUSH  
Government of India

### संदेश

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, हम स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत मना रहे हैं। आजादी के बाद से हमारी प्रगति की यात्रा अभूतपूर्व और उल्लेखनीय रही है और हमारे देश की महिलाओं ने इसके विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मैं इस अवसर पर सभी महिलाओं और बालिकाओं के अदम्य साहस और जज्बे को सलाम करता हूँ। हालांकि, इसके साथ ही, हमें लैंगिक समानता और सतत विकास हासिल करने की दिशा में प्रयासों की गति को और बढ़ाने की आवश्यकता है।

इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, महिला सशक्तिकरण के लिए उनके असाधारण योगदान को मान्यता देने और उनका सम्मान करने के लिए 'नारी शक्ति पुरस्कार' प्रदान कर रहा है।

महिलाओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने और जीवन के सभी क्षेत्रों में उनके समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए हम अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर से दोहराते हैं।

मैं सभी पुरस्कार विजेताओं को अपने सपनों को पूरा करने और समाज की बेहतरी के लिए समर्पित प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ।

(डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई)





इन्दीवर पान्डेय, आई.ए.एस.  
सचिव

**INDEVAR PANDEY, I.A.S.**  
Secretary

Tel. : 011-23383586, 23386731

Fax : 011-23381495

E-mail: secy.wcd@nic.in



सत्यमेव जयते

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

भारत सरकार  
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय  
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

Government of India  
Ministry of Women & Child Development

#### MESSAGE

The past two years have brought to prominence the invaluable contributions of women in our fight against COVID-19 contagion. They have shown their indomitable spirit in nurturing the family, society and the nation at large during these testing times. 'Nari Shakti Puraskar' for the years 2020 and 2021 recognizes the innumerable contributions of women in nation building and their indomitable spirit to drive growth and prosperity of the country.

The awardees have defied age, geographical barriers, impairments and inaccessibility to resources in fulfilling their dreams. They are a source of inspiration for the society at large, and young Indians in particular to break gender stereotypes and stand up against gender inequality and discrimination.

The Awardees have shown great zeal while working to achieve excellence and empowering women particularly from vulnerable and marginalized sections of the society, in their respective domains and have become symbols of women power. On behalf of Ministry of Women and Child Development, I congratulate and extend my best wishes to all the Awardees.

(Indevar Pandey)



इन्दीवर पान्डेय, आई.ए.एस.  
सचिव

INDEVAR PANDEY, I.A.S.  
Secretary

Tel. : 011-23383586, 23386731

Fax : 011-23381495

E-mail: secy.wcd@nic.in



सत्यमेव जयते

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

भारत सरकार  
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय  
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

Government of India  
Ministry of Women & Child Development

### संदेश

पिछले दो वर्षों के दौरान कोविड-19 संक्रमण के विरुद्ध हमारी लड़ाई में महिलाओं के बहुमूल्य योगदान को प्रमुखता मिली है। उन्होंने इस कठिन समय के दौरान परिवार, समाज और राष्ट्र का व्यापक स्तर पर परिपोषित करने में अपनी अदम्य भावना का प्रदर्शन किया है। वर्ष 2020 और 2021 के 'नारी शक्ति पुरस्कार' राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के अनगिनत योगदान और देश के विकास एवं समृद्धि हेतु उनकी अदम्य भावना को मान्यता प्रदान करता है।

पुरस्कार विजेताओं ने अपने सपनों को पूरा करने में आयु, भौगोलिक बाधाओं, दुर्बलताओं और संसाधनों की कमी को आड़े नहीं आने दिया है। वे व्यापक स्तर पर समाज, और विशेष रूप से भारतीय युवाओं के लिए, लैंगिक रुढ़िवादी मान्यताओं को तोड़ने और लैंगिक असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं।

पुरस्कार विजेताओं ने उत्कृष्टता हासिल करने और विशेष रूप से समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की महिलाओं को संबंधित क्षेत्रों में सशक्त बनाने के लिए कार्य करते हुए अदम्य उत्साह दिखाया है और महिला शक्ति की प्रतीक बन गई हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से मैं सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

इन्दीवर पान्डेय

(इन्दीवर पान्डेय)

— |

|

— |

|



# CONTENTS



Sl. No.	Name of Awardees	Year	Category	Page No.
1.	Anita Gupta	2020	Individual	15
2.	Arti Rana	2020	Individual	17
3.	Dr. Ela Lodh	2020	Individual	19
4.	Jaya Muthu & Tejamma	2020	Individual	21
5.	Jodhaiya Bai Baiga	2020	Individual	23
6.	Meera Thakur	2020	Individual	25
7.	Nasira Akhter, Kulgam	2020	Individual	27
8.	Nivruti Rai	2020	Individual	29
9.	Padma Yangchan	2020	Individual	31
10.	Sandhya Dhar	2020	Individual	33
11.	Saylee Nandkishor Agavane	2020	Individual	35
12.	Tiffany Brar	2020	Individual	37
13.	Ushaben Dineshbhai Vasava	2020	Individual	39
14.	Vanita Jagdeo Borade	2020	Individual	41
15.	Anshul Malhotra	2021	Individual	45
16.	Batool Begam	2021	Individual	47
17.	Kamal Kumbhar	2021	Individual	49
18.	Madhulika Ramteke	2021	Individual	51
19.	Neena Gupta	2021	Individual	53
20.	Neerja Madhav	2021	Individual	55
21.	Niranjanaben Mukulbhai Kalarthi	2021	Individual	57
22.	Pooja Sharma	2021	Individual	59
23.	Radhika Menon	2021	Individual	61
24.	Sathupati Prasanna Sree	2021	Individual	63
25.	Shobha Gasti	2021	Individual	65
26.	Sruti Mohapatra	2021	Individual	67
27.	Tage Rita Takhe	2021	Individual	69
28.	Thara Rangaswamy	2021	Individual	71

— |

|

— |

|



**Nari Shakti**

*Awardees of 2020*





## INDIVIDUAL



अनीता गुप्ता एक सामाजिक उपक्रमी हैं। घरेलू हिंसा से पीड़ित होने के बाद उन्होंने अपने छोटे भाई के साथ मिलकर ग्रामीण महिलाओं के लिए एक गैर सरकारी संगठन का गठन किया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने, वयस्क शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 500 से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की स्थापना की है। उन्होंने पानी के उपयोग और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न अभियानों का भी आयोजन किया। उन्होंने अपने गैर सरकारी संगठन 'भोजपुर महिला कला केंद्र' के माध्यम से 50,000 से अधिक वंचित ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित किया है, जिससे वे प्रति माह 8000/- रुपये तक कमा सकेंगी। वे 'उषा सिलाई स्कूल' की सदस्य भी हैं, जो पूरे बिहार और झारखंड में 3,000 से अधिक सिलाई स्कूल चलाता है। उन्हें ग्रामीण और वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

## Anita Gupta

Bhojpur, Bihar

Anita Gupta is a social entrepreneur. After witnessing domestic violence, she created an NGO for rural women, along with her younger brother. She has set up 500+ Self Help Groups (SHGs) to conduct health check-up camps, impart adult education and vocational trainings for rural women. She also organized various campaigns to create awareness on water usage and sanitation. She has trained more than 50,000 underprivileged rural women in various skills through her NGO, 'Bhojpur Mahila Kala Kendra' enabling them to earn upto ₹ 8000/- per month. She is also a member of 'Usha Silai School', which runs more than 3,000 sewing schools across Bihar and Jharkhand. The Nari Shakti Puraskar is presented to her for outstanding contribution for empowering rural and underprivileged women.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021









## INDIVIDUAL



हथकरघा बुनकर और शिक्षिका आरती राणा 'थारु हाथकरघा घरेलू उद्योग' की अध्यक्ष हैं, जिन्हें 2016 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया था। उन्होंने वर्ष 2015 में लखीमपुर खीरी के चंदन चौकी में एकीकृत जनजातीय परियोजना 'थारु महोत्सव' का आयोजन किया था। उन्होंने 800 से अधिक थारु महिलाओं को शिल्प का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने 150 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों की भी शुरुआत की। इनमें 3600 से अधिक महिला सदस्य हैं। उनके काम से वंचित जनजातीय बुनकर महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है। उन्हें वर्ष 2016 में उत्तर प्रदेश सरकार ने रानी लक्ष्मी बाई वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया है।

उन्हें वंचित और आदिवासी महिलाओं के लिए उनके असाधारण कार्य के लिए नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

## Arti Rana

Kheri, Uttar Pradesh

Arti Rana, a handloom weaver and a teacher, is President of 'Tharu Hath Karga Gharelu Udyog', which was honoured by the Hon'ble Prime Minister in 2016. In the year 2015, she organized 'Tharu Mahotsav' an Integrated Tribal Project at Chandan Chowki, Lakhimpur Kheri. She imparted training in crafts to over 800 Tharu women. She also started over 150 women's Self-Help Groups, having over 3600 women members. Her work has resulted in increasing income of underprivileged tribal weaver women. In 2016, she also received the Rani Laxmi Bai Gallantry Award from the Uttar Pradesh Government.

The Nari Shakti Puraskar is awarded in recognition of her exceptional work for underprivileged and tribal women.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



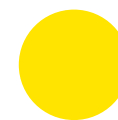
प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. इला लोध ने वर्ष 1990 से वर्ष 2000 तक त्रिपुरा स्वास्थ्य सेवा के प्रशासनिक निदेशक के रूप में कार्य किया। उन्होंने त्रिपुरा के हेपेटाइटिस फाउंडेशन की स्थापना की। वह महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बहुत गंभीर थीं। उन्हें मरणोपरांत महिलाओं के स्वास्थ्य विशेष रूप से हाशिए पर और वंचित महिलाओं के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु मरणोपरांत नारी शक्ति पुरस्कार से प्रदान किया जाता है।

## Dr. Ela Lodh

West Tripura, Tripura (Posthumous)

Dr. Ela Lodh, an obstetrician and gynaecologist, served as Administrative Director of the Tripura Health Service from 1990 until 2000. She founded the Hepatitis Foundation of Tripura. She was deeply involved in raising awareness about women's health.

The Nari Shakti Puraskar is awarded posthumously for her outstanding contribution towards women's health particularly for the marginalised and underprivileged.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



# Jaya Muthu & Tejamma

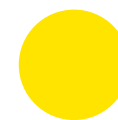
Nilgiris, Tamil Nadu

जया मुथु और तेजम्मा बारीक टोडा कढ़ाई वाले शॉल और वस्त्र बनाने वाली शिल्पी हैं। टोडा कढ़ाई, तमिलनाडु के नीलगिरी के टोडा गड़ेरियों/ ग्रामीणों की एक कला कृति है, जिसे विशेष रूप से महिलाएं बनाती हैं। यह सफेद रंग की आधार सामग्री पर एक ही चौड़ा/पाट में हाथ से बुनी जाती है और कड़ियों की गिनती करके कढ़ाई की जाती है। वे पैटर्न को ट्रेस किए बिना या किसी किताब का सहारा लिए बिना ही कपड़े पर डिजाइन बनाती हैं। दोनों कारीगरों अपनी लुप्त होती विरासत की गाथा बताने के लिए किए गए काम की काफी सराहना की जाती है।

उन्हें नीलगिरी की सदियों पुरानी बारीक टोडा कढ़ाई को संरक्षित करने और प्रोत्साहन देने के लिए उनके असाधारण योगदान हेतु नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Jaya Muthu and Tejamma are artisans, who make shawls and garments with intricate Toda embroidery, an art work of Toda pastoral people of Nilgiris, Tamil Nadu, which is made exclusively by women. The base material, which is white in colour, is hand woven in single width and embroidery is done by counting of threads. They create designs on cloth without tracing the pattern or referring to a book. The duo's work of telling the tales of their fading heritage is much appreciated.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to them for their extraordinary contribution for preserving and promoting the age old intricate Toda Embroidery of Nilgiris.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021









## INDIVIDUAL



# Jodhaiya Bai Baiga

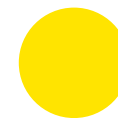
Umaria, Madhya Pradesh

जोधैया बाई बैगा एक आदिवासी बैगा आर्ट पेंटर हैं। उनकी 40 साल की उम्र में उनके पति का देहांत हो गया था। उन्होंने जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली को कैनवास पर उतारा। उन्होंने अपने चित्रों का इटली में मिलान के गैलेरिया फ्रांसेस्को जानुसो और फ्रांस के पेरिस में क्लेयर कोरसिया गैलरी में प्रदर्शन किया। भोपाल में अलायंस फ्रेंकाइज में उन्होंने सोलो पेंटिंग प्रदर्शन किया है। उन्होंने 70 साल की उम्र में आशीष स्वामी से बैगा कला सीखना शुरू किया। स्वामी स्थानीय संस्कृतियों और परंपराओं को विलुप्त होने से बचाने के लिए मध्य प्रदेश के कई आदिवासी इलाकों में स्टूडियो 'जनगण तस्वीरखाना' चलाते हैं।

उन्हें वैश्विक स्तर पर जनजातीय बैगा कला को बढ़ावा देने, कला की पुनर्बहाली और प्रतिभा के लिए नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया जाता है। ऐसा करके वह इस कला को विलुप्त होने से बचाने में मदद कर रही हैं।

Jodhaiya Bai Baiga, a Tribal Baiga Art Painter, who was widowed at the age of 40, portrays tribal cultures and lifestyles on canvas. She has exhibited at Galleria Francesco Zanuso in Milan, Italy and Claire Corcia Gallery in Paris, France. She has solo painting shows at the Alliance Francaise in Bhopal. She started learning Baiga Art at the age of 70 from Ashish Swami who runs studio 'Jangan Tasweerkhana' in several tribal belts of Madhya Pradesh to prevent local cultures and traditions from becoming extinct.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for resilience and brilliance in promoting the Tribal Baiga Art at global level. By doing so, she is helping the art from becoming extinct.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



मीरा ठाकुर एक सिक्की घास कलाकार हैं, जिन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सहायता प्राप्त 'लोक कला हस्तशिल्प प्रशिक्षण केंद्र' की स्थापना की। वे एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'हस्तकला विकास केंद्र' भी चलाती हैं। वे अपनी कला का मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करती हैं और 400 से अधिक वंचित महिलाओं को प्रशिक्षित कर चुकी हैं। उनके काम को मीडिया में व्यापक प्रचार-प्रसार मिला है।

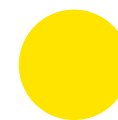
उन्हें अद्वितीय सिक्की घास कला को बढ़ावा देने और पंजाब में वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

## Meera Thakur

S.A.S Nagar, Punjab

Meera Thakur is a Sikki Grass Artist, who established 'Folk Art Handicraft Training Centre', aided by Ministry of Human Resource Development, Government of India. She also operates an NGO 'Hastkala Vikas Kendra'. She provide free training in her art and has trained more than 400 underprivileged women. Her work has been widely covered by the Media.

The Nari Shakti Puraskar is being awarded to her for promoting the unique Sikki Grass Art and empowering the underprivileged women in Punjab.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



# Nasira Akhter, Kulgam

Jammu and Kashmir

नसीरा अख्तर एक मौलिक नवोन्मेषी हैं। उन्होंने 8 वर्षों से अधिक समय तक काम करने के बाद, कश्मीर यूनिवर्सिटी साइंस इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर में पॉलीथिन को बायोडिग्रेडेबल बनाने के लिए एक अभिनव तरीका खोज निकाला है। उन्होंने एक ऐसी जड़ी-बूटी विकसित की जो पॉलिथीन को बायोडिग्रेडेबल उत्पाद राख में बदल देती है, जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करता। उन्हें कलाम वर्ल्ड रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई है। उन्हें लंदन में वर्ल्ड रिकॉर्ड यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की मानद उपाधि मिली है।

उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए बुनियादी स्तर पर अनुकरणीय नवाचार के लिए नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

Nasira Akhter is a grassroot innovator, who after working for over 8 years, demonstrated an innovative way for making polythene biodegradable at Kashmir University Science Instrumentation Centre. She developed a herb that converts polythene to ashes, a biodegradable product that does not pollute the environment. She has been recognised by Kalam World Record, Asia Book of Records, and India Book of Records among others. She has received an honorary doctorate from World Record University in London.

The Nari Shakti Puraskar is being awarded to her for exemplary grassroot innovation for environmental conservation.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021



## INDIVIDUAL



निवृति राय इंटेल इंडिया की कंट्री हेड हैं। उन्होंने सेमीकंडक्टर चिप्स विकसित किए हैं जो त्रुटि सुधार कोड नामक तकनीक का उपयोग करके कम बिजली की खपत करते हैं और यह ग्रामीण कनेक्टिविटी के लिए एक नया समाधान भी है जो ओवरहेड इलेक्ट्रिक केबल्स का उपयोग कर किफायती हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्शन देता है। उन्होंने एआई-यूथ, एआई-रेडी जेनरेशन, एआई-ब्लॉकचेन, 'एआई फॉर ऑल' प्रोग्राम शुरू किया। निवृति उच्च-प्रभाव वाली प्रौद्योगिकी के नेतृत्व वाली पहल के प्रति समर्पित हैं और कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जीनोमिक्स और सह-रुग्णताओं पर आधारित निदान और विश्लेषण के लिए एक मंच बनाया। उनके इस काम ने देश के 7,000 स्कूलों में 1.5 लाख से अधिक छात्रों को सशक्त बनाया है। उन्हें फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली व्यवसायी महिला-2020 की सूची में जगह दी गई।

उन्हें प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जो वास्तव में 21वीं सदी की महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है और भारत के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सक्षम हाई-टेक भविष्य का निर्माण करने के लिए छात्रों को सशक्त बनाता है।

## Nivruti Rai

Bengaluru Urban, Karnataka

Nivruti Rai is Country Head of Intel India. She developed semiconductor chips that consume less power using a technique called error correcting codes and also a new rural connectivity solution that uses overhead electric cables to deliver cost-effective high-speed broadband connection. She launched AI-Youth, AI-Ready Generation, AI-Blockchain, 'AI for All' programme. Nivruti dedicated herself for high-impact technology-led initiatives and built a platform for diagnostics and analytics based on AI, genomics and co-morbidities to combat COVID-19. Her work has empowered more than 1.5 lakh students across 7,000 schools in the country. She found a place in the Fortune India's Most Powerful Business Women 2020 list.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for excellence in the field of technology, truly representing the 21st Century Women and empowering students to build Artificial Intelligence enabled Hi-Tech future for India.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



# Padma Yangchan

Leh, Ladakh

पद्मा यांगचन एक डिजाइनर स्टूडियो और कैफे की मालकिन हैं, जिन्होंने लद्दाख के लुप्त व्यंजनों और कपड़ों को पुनर्जीवित किया। उन्होंने 'नज्मा' नाम से अपना खुद का डिजाइनर ब्रांड शुरू किया। उनका कैफे सतत कृषि के आइडिया पर आधारित है, जिसमें कैफे परिसर में ही ताजा जैविक कृषि उपज वाला एक निजी किचन गार्डन है। कैफे हाथ से तैयार भोजन परोसता है और मौजूदा गैर दस्तावेजी लद्दाखी व्यंजनों और नुसखों को संरक्षित कर रहा है। उनका स्वप्न लोगों को लद्दाख की संस्कृति का अनुभव कराना है।

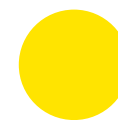
वह लद्दाख की हस्त बुनाई तकनीकों और कला को संरक्षित और संशोधित भी कर रही है, जिससे यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए अधिक उपयुक्त हो गई है।

उन्हें लद्दाख के लुप्त व्यंजनों और हाथ से बुनाई की तकनीक को संरक्षित और पुनर्जीवित करने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे बढ़ावा देने के लिए नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Padma Yangchan is an owner of a designer studio and a café owner, who revived the lost cuisine and clothing of Ladakh. She started her own designer brand called 'Nazma'. Her café is based on the idea of sustainable agriculture, with a personal kitchen garden of fresh organic farm produce in the café compound itself. The café serves handcrafted food and is preserving the existing undocumented Ladakhi cuisine and recipes. Her vision is to let the people experience the culture of Ladakh.

She is also preserving and modifying the hand weaving techniques and art of Ladakh, making it more suitable for both national and international markets.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for preserving and reviving the lost cuisine and hand weaving techniques of Ladakh and promoting it at International Level.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

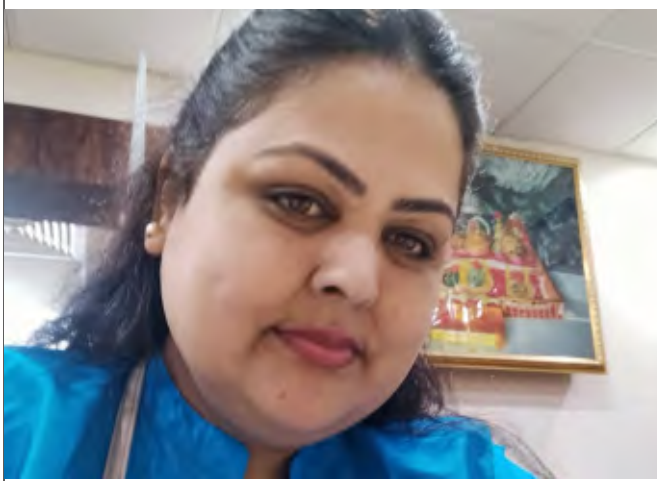
नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021









## INDIVIDUAL



संध्या धर एक दिव्यांग सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो दिव्यांगजन अधिकार विधेयक, स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों तक उनकी पहुंच और दिव्यांगों के अनुकूल मेट्रो क्रॉसिंग से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए स्वरोजगार ऋण और नौकरियों की भी व्यवस्था की है।

संध्या ने वर्ष 2015 में 'जम्मू इंस्टीट्यूट ऑफ जनरल एजुकेशन एंड रिहैबिलिटेशन (जेआईजीआईआर)' की स्थापना की, जो दिव्यांग शिक्षकों के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों और वंचित बच्चों दोनों के लिए एक साथ कक्षाएं संचालित करता है। यह ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है। यह संस्था 65 से अधिक बच्चों वाले 4 केन्द्रों का संचालन करती है। इसके अतिरिक्त यह निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन करती है तथा 100 से अधिक बच्चों को निःशुल्क जांच एवं दवा उपलब्ध कराती है। उनके ऊपरी अंगों में 90% विकलांगता है।

उन्हें दिव्यांगजनों के अधिकारों के प्रति उनके असाधारण योगदान और अदम्य भावना और समर्पण को मान्यता प्रदान करने के लिए नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

## Sandhya Dhar

Jammu, Jammu and Kashmir

Sandhya Dhar is a divyang social worker who has been associated with Divyangjan Bill Rights, their accessibility to schools, colleges, workplaces and Divyang-friendly subway crossings. She has also arranged for self-employment loans and jobs for Divyangjan through various Government schemes.

Sandhya founded 'Jammu Institute of General Education and Rehabilitation (JIGER)' in 2015 that conducts classes for Divyangjan and underprivileged children together under the guidance of Divyang teachers. It also conducts awareness programs for Autism affected children. The organisation operates 4 centres with more than 65 children and organizes free medical camp and has provided free check-ups and medication to more than 100 children. She has 90% disability in her upper limbs.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to recognise her exceptional contribution and indomitable spirit & dedication towards divyangjan rights.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021









## INDIVIDUAL



# Saylee Nandkishor Agavane

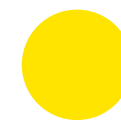
Pune, Maharashtra

सायली एक कथक नृत्यांगना हैं, जिन्होंने डाउन सिंड्रोम को अपने सपनों को हासिल करने में आड़े नहीं आने दिया। उसने 100 से अधिक कार्यक्रमों और समारोहों में प्रदर्शन किया है। ग्लोबल ओलंपियाड डांस प्रतियोगिता में उन्हें कांस्य पदक मिला। उन्हें सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से राष्ट्रीय पुरस्कार और डाउन सिंड्रोम अंतर्राष्ट्रीय संगठन, लंदन और स्कॉटलैंड से विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

उन्हें कठिनाई के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शास्त्रीय नृत्य को बढ़ावा देने में उनकी उत्कृष्टता के लिए नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Saylee is a Kathak dancer, who has not allowed the Down syndrome to come in the way of achieving her dreams. She has performed in more than 100 programmes and events. At the Global Olympiad Dance Competition, she received a bronze medal. She is a recipient of National Award from Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India and a World Down Syndrome Day Awardee from Down Syndrome International Organization, London & Scotland.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to her in recognition of her excellence in promoting Indian Classical Dance internationally despite facing hardship.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



टिफ़नी बरार ने ज्योतिर्गमय फाउंडेशन की स्थापना की जो नेत्रहीन लोगों, विशेषकर नेत्रहीन महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करता है। उन्होंने वर्ष 2012 में केरल के ग्रामीण इलाकों में एक मोबाइल ब्लाइंड स्कूल की स्थापना की। विभिन्न वर्गों की पहचान करने के लिए उनके विचार ने 'टिफ़ी टेम्पलेट' का निर्माण किया। उन्होंने खुद 200 से अधिक नेत्रहीन व्यक्तियों को ब्रेल, कंप्यूटर, व्यक्तिगत सौंदर्य और अन्य बुनियादी कौशल में प्रशिक्षण प्रदान किया है। टिफ़नी भारत की एकमात्र नेत्रहीन महिला हैं जिन्होंने 5 टेड वार्ताएं दी हैं और 10 से अधिक देशों में संवेदीकरण सत्र आयोजित किए हैं। वह होल्मन पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय बनी और विकलांग लोगों के बीच सर्वश्रेष्ठ रोल मॉडल के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त किया।

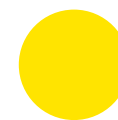
दृष्टिबाधित ग्रामीण महिलाओं के लिए किए गए अनुकरणीय कार्यों और दृष्टिबाधित होने के बावजूद जनता को प्रेरित करने के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

## Tiffany Brar

Thiruvananthapuram, Kerala

Tiffany Brar founded the Jyothirgamaya Foundation that works for empowering blind people, particularly blind women. In 2012, she established a mobile blind school in rural areas of Kerala. Her idea to identify the different denominations led to creation of 'Tiffy Template'. She herself has provided training to over 200 blind persons in Braille, computers, personal grooming, and other basic skills. Tiffany is the only blind woman in India who has delivered 5 Ted talks and conducted sensitization sessions in 10+ countries. She became the first Indian to receive the Holman Prize, and also received National Award for Best Role Model among People with Disabilities.

Nari Shakti Puraskar is being awarded for her exemplary work done for visually impaired rural women and motivating the masses despite being visually challenged.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021









## INDIVIDUAL



# Ushaben Dineshbhai Vasava

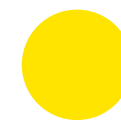
Narmada, Gujarat

उषाबेन दिनेशभाई वसावा एक जैविक किसान और आदिवासी कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने 500 से अधिक महिलाओं को भूमि का अधिकार दिलवाया है। वे जिला आत्मा (एटीएमए) परियोजना की अध्यक्ष हैं। वे स्वभूमि केंद्र और सगबारा महिला मंच की भी अध्यक्ष हैं। वे नर्मदा जिले में 'कृषि विज्ञान केंद्र' की सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं। वे व्याख्यान देती हैं और केवीके, एटीएमए और गैर सरकारी संगठनों के लिए उर्वरक के उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान करती हैं, साथ ही 2700 से अधिक कृषि महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने वाले समुदाय के साथ प्रौद्योगिकी आधारित खेती के अनुभव साझा करती हैं। वे मृदा स्वास्थ्य कार्ड लाभ जैसे सरकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता उत्पन्न सूचित करते हुए जैविक खेती के लिए 3,500 से अधिक एसएचजी से जुड़ी हुई हैं। उषाबेन को आईसीएआर का पंडित दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार मिला है।

उन्हें जैविक खेती में उत्कृष्ट योगदान और बुनियादी स्तर पर महिला किसानों की सहायता और शिक्षित करने के लिए नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Ushaben Dineshbhai Vasava is an organic farmer and tribal activist who ensured land entitlements to over 500 women. She is the Chairperson of District ATMA Project. She is also the President of Swabhoomi Kendra and Sagbara Mahila Manch. She is a Advisory Board Member of the 'Krishi Vigyan Kendra' in Narmada district. She delivers lectures and provides training on fertiliser use for KVK, ATMA, and NGOs, as well as sharing technology-based farming experiences with the community providing training to over 2700 farm women. She has been associated with over 3,500 SHGs for organic farming by informing them about government programmes like soil health card benefits etc. Ushaben received Pandit Deen Dayal Upadhyay ICAR's Antyodaya Krishi Puraskar.

Nari Shakti Puraskar is awarded to her for outstanding contribution in organic farming and assisting and educating the women farmers at ground level.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



# Vanita Jagdeo Borade

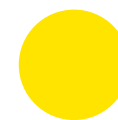
Buldhana, Maharashtra

वनिता जगदेव बोराडे “पहली महिला सर्प बचाव कार्यकर्ता” हैं जिन्होंने प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए “सोयरे वनचारे मल्टीपर्पज फाउंडेशन” की स्थापना की। उन्होंने 50,000 से अधिक सांपों को बचाया और उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा है। वनिता ने सांप जागरूकता पर प्रशिक्षण आयोजित किया जिसमें सांप के काटने वाले पीड़ितों के लिए प्राथमिक उपचार, सुरक्षा संबंधी मीमांसा आदि जैसे विषय शामिल थे। वनिता को ‘सांप मित्र’ के रूप में जाना जाता है और उन्हें भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक टिकट जारी करके सम्मानित किया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें ‘छत्रपति शिवाजी महाराज वनश्री पुरस्कार’ से भी सम्मानित किया है।

उन्हें वन्यजीव संरक्षण में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए विशेष रूप से सांपों को बचाने और इस विषय पर जागरूकता पैदा करने के लिए नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Vanita Jagdeo Borade is the "First Women Snake Rescuer" who founded "Soyre Vanchare Multipurpose Foundation" for nature and wildlife protection and for promoting pollution-free environment. She has rescued and released over 50,000 snakes to their natural habitat. Vanita conducted trainings on snake awareness that included topics such as first aid for snake-bite victims, safety considerations etc. She is known as 'Snake Friend' and has been honoured by The Indian Postal Department by releasing a postal stamp. The Government of Maharashtra has also awarded her with 'The Chhatrapati Shivaji Maharaj Vanashri Puraskar'.

Nari Shakti Puraskar is awarded in recognition of her exemplary efforts in wildlife conservation particularly by rescuing Snakes and creating awareness on the subject.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021



— |

|

— |

|

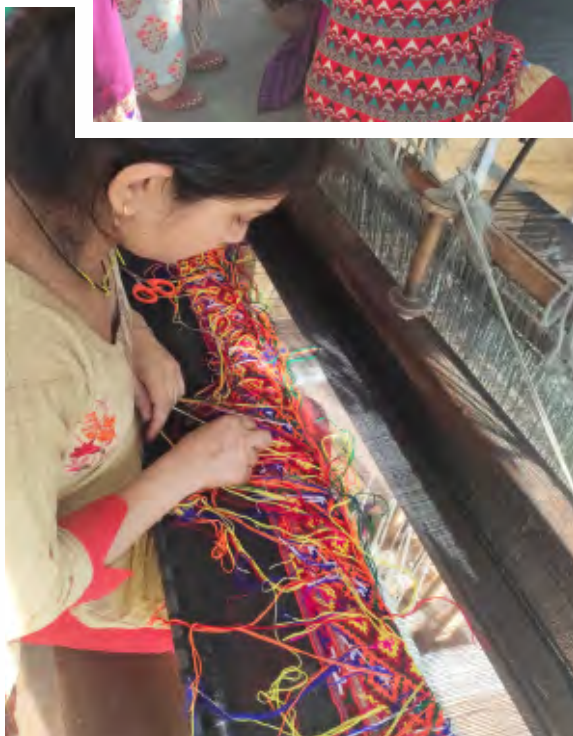




**Nari Shakti**

*Awardees of 2021*







## INDIVIDUAL

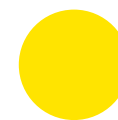


# Anshul Malhotra

Mandi, Himachal Pradesh

अंशुल मल्होत्रा कृष्णा वूल्स की संस्थापक हैं, जो हिमाचल हथकरघा के संरक्षण के लिए काम कर रहा है और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए नए पैटर्न बना रहा है। उन्होंने 200 वंचित ग्रामीण महिलाओं को मुफ्त हथकरघा बुनाई प्रशिक्षण दिया है और 2200 से अधिक हथकरघा डिजाइनों का संग्रह तैयार करके बुनकरों को बुनाई के लिए उपलब्ध कराया है। वे हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यशालाओं, सेमिनारों और व्याख्यानो के माध्यम से हथकरघा बुनाई और विरासत को बढ़ावा दे रही हैं। उन्हें हिमाचल का राज्य पुरस्कार प्रदान किया गया है। वंचित ग्रामीण महिलाओं को हथकरघा बुनाई सिखाने में उनके उत्कृष्ट योगदान और हिमाचल हथकरघा को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Anshul Malhotra is founder of Krishna Wools, that is working for preservation of Himachal handloom and creating new patterns for popularising it. She has provided free handloom weaving training to 200 underprivileged rural women and created a collection of more than 2200 handloom designs and provided it to the weavers to weave. She is also promoting handloom weaving and heritage through workshops, seminars and lectures in rural areas of Himachal Pradesh. She is a recipient of Himachal State Award. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her in recognition of her outstanding contribution for skilling the underprivileged rural women in learning handloom weaving and also for preserving and promoting Himachal Handloom.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



# Batool Begam

Jaipur, Rajasthan

मांड और भजन लोक गायिका बतूल बेगम राजस्थानी लोक धुनों में माहिर हैं। वे तबला, ढोलक और ढोल जैसे वाद्ययंत्र भी बजाती हैं। वे लोक बैंड 'क्लेजमर' की सदस्य हैं। उन्होंने ट्यूनीशिया, फ्रांस, स्पेन, बेल्जियम, इटली जैसे देशों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय लोक संगीत का प्रदर्शन और प्रचार किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय लोक संगीत को बढ़ावा देने में उनके उत्कृष्ट योगदान के साथ ही औरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनने के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Batool Begum, a Maand and Bhajan Folk Singer specialises in Rajasthani folk tunes. She also plays instruments like Tabla, Dholak, and Dhol. She is a member of the folk band 'Klezmer.' She has performed and promoted Indian folk music internationally in countries such as Tunisia, France, Spain, Belgium, Italy. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for her outstanding contribution in promoting Indian folk music internationally and also being a source of inspiration for others.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL

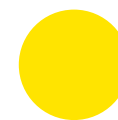


# Kamal Kumbhar

Osamanabad, Maharashtra

पशुपालन के क्षेत्र में कुशल उद्यमी कुशल कुम्भार ने 1998 में 'कमल पोल्ट्री एंड एकता सखी प्रोड्यूसर कंपनी' की स्थापना की जिसने सूखाग्रस्त उस्मानाबाद क्षेत्र में 3000 से अधिक महिलाओं की मदद की। उन्होंने प्रीमियम चिकन प्रजातियों के लिए एक पोल्ट्री ऑपरेशनस भी स्थापित किया है। एसएसपी के 'स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रम' में महिला' में 'ऊर्जा सखी' के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, उन्होंने सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों से 3,000 से अधिक घरों को रोशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सूक्ष्म उद्यम शुरू करने में 5,000 से अधिक महिलाओं की मदद की। कमल कुम्भार को नीति आयोग द्वारा 2017 में 'सीआईआई फाउंडेशन वीमेन एक्जम्प्लर अवार्ड' और वीमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। पशुपालन के क्षेत्र में महिलाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने में योगदान के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Kamal Kumbhar, an accomplished entrepreneur in the field of animal husbandry; founded 'Kamal Poultry & Ekta Sakhi Producer Company' in 1998 that helped more than 3000 women in drought-prone Osmanabad region. She has also established a poultry operations for premium chicken species. After getting training as a 'Energy Sakhi' in SSP's 'Women in Clean Energy Programme', she was instrumental in lighting up more than 3,000 houses with solar-powered equipment. She helped over 5,000 women to start micro businesses. Kamal Kumbhar has also been conferred with 'CII Foundation Women Exemplar Award' and Women Transforming India Award in 2017 by NITI Aayog. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for contribution in promoting women's entrepreneurship in the field of animal husbandry.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार

करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL

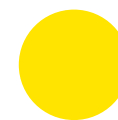


# Madhulika Ramteke

Rajnandgaon , Chhattisgarh

मधुलिका रामटेके एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं जो घरेलू स्तर पर प्रताड़ित महिलाओं के कल्याण के लिए काम करती हैं। उन्होंने घरेलू हिंसा से प्रताड़ित महिलाओं के लिए एक लघु बैंकिंग ऑपरेशन शुरू किया और 2001 में, जिला प्रशासन द्वारा बैंक को औपचारिक रूप से 'माँ बमलेश्वरी बैंक' नाम दिया गया, जिसकी अब 5,372 शाखाएं हैं। बैंक पूरी तरह से महिलाओं द्वारा प्रबंधित और नियंत्रित है। इस बैंक ने 1.19 करोड़ रुपये जुटाए हैं और 70 लाख रुपये के ऋण वितरित किए हैं। उन्होंने 2015 में 12 लाख पौधों के साथ हाथी फुट याम उगाना शुरू किया जो अब बढ़कर 35 लाख से अधिक पौधे हो गए हैं। वे स्थानीय लोगों को वर्म कम्पोस्ट बनाना सिखाती हैं और उन्हें स्वच्छता अभियान और जल सुराज अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। वे अंधविश्वास, स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप 2018 में 64 ग्राम शौचालयों का निर्माण हुआ। 2016 में उन्हें राज्य स्तरीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के उल्लेखनीय प्रयासों के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Madhulika Ramteke is a social worker who works for wellbeing of domestically abused women. She started a modest banking operation for domestically abused women and in 2001; the bank was formally named 'Maa Bamleshwari Bank' by the district administration, which now has 5,372 branches. The bank is entirely managed and controlled by women and has raised Rs 1.19 crore and disbursed Rs. 70 lakh in loans. She began growing Elephant Foot Yam in 2015 with 12 lakh plants that has now grown to more than 35 lakh plants. She also teaches local people as to how to make vermi compost and encourages them to participate in the Swachhata Abhiyaan and Jal Suraj Abhiyaan and creates awareness on superstition, health and hygiene, which resulted in construction of 64 village toilets in 2018. In 2016, she was also honoured with the State Level Award. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for remarkable efforts for upliftment of women and their economic empowerment.



# Nari Shakti Puraskar

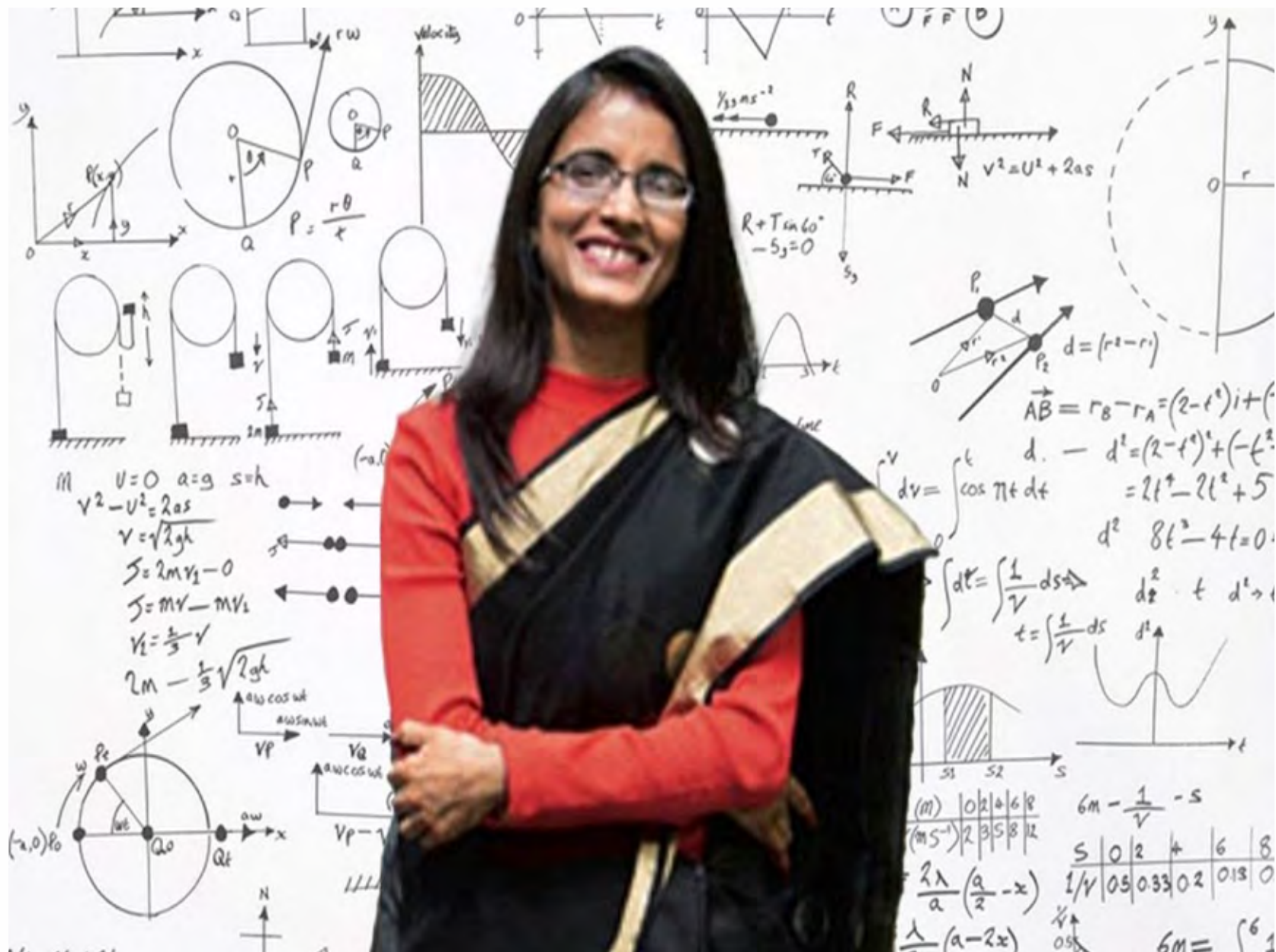
Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



नीना गुप्ता भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के सांख्यिकी और गणित एकक में एक गणितज्ञ, शोधकर्ता और प्रोफेसर हैं, जिन्होंने 70 साल पुरानी जारिस्की निरस्तीकरण समस्या को हल किया, जो बीजगणितीय ज्यामिति में एक बुनियादी समस्या है। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशनों में 20 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित कर चुकी हैं, जिनमें 'वेरिएबल्स में लॉरेंट पॉलीनोमियल फाइब्रेशन की संरचना, बीजगणितीय ज्यामिति जर्नल (2012)' शामिल हैं। 2022 में वे संबद्ध बीजगणितीय ज्यामिति और क्रम विनिमय बीजगणित में उत्कृष्ट कार्य के लिए युवा गणितज्ञों के लिए प्रतिष्ठित 'रामानुजन पुरस्कार' जीतने वाली तीसरी महिला और चौथी भारतीय बनने के साथ ही वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं। गणित के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

## Neena Gupta

Kolkata, West Bengal

Neena Gupta is a mathematician, researcher and professor at Statistics and Mathematics Unit of Indian Statistical Institute, Kolkata who solved 70 years old Zariski Cancellation Problem, a basic problem in algebraic geometry and has published over 20 research papers in national and international publications including 'The Structure of a Laurent Polynomial Fibration in Variables,' Journal of Algebraic Geometry (2012). In 2022 she became third woman and fourth Indian to win the prestigious 'Ramanujan Prize' for Young Mathematicians for her outstanding work in affine algebraic geometry and commutative algebra as well as youngest Indian to win the Shanti Swarup Bhatnagar Award by Council of Scientific and Industrial Research. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for her excellence in the field of Mathematics.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



नीरजा माधव एक हिंदी लेखिका हैं जिन्होंने विश्व शांति, हिजड़ों और तिब्बती शरणार्थियों के अधिकारों और आरक्षण के लिए कार्य किया है। यमदीप (2002), तेभ्या: स्वधा (2004), गेशे जम्पा (2006), अनुपमेय शंकर (2009), 5-अवर्ण महिला कांस्टेबल की डायरी (2010) आदि उनकी कुछ उल्लेखनीय कृतियां हैं।

उन्हें 1998 में यशपाल पुरस्कार और 2006 में मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

हिंदी साहित्य के माध्यम से वंचित लोगों के लिए उनके काम को सम्मानित करते हुए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

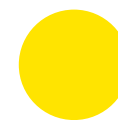
## Neerja Madhav

Uttar Pradesh

Neerja Madhav is a Hindi Author who promoted world peace, rights & reservation for Eunuchs & Tibetan refugees. Some of her remarkable works are Yamdeep (2002), Tebhya: Swadha (2004), Geshe Jumpa (2006), Anupameya Shankar (2009), Diary of 5-Avarna Female Constable (2010) etc.

She received Yashpal Award in 1998 and Madhya Pradesh Sahitya Akademi Award in 2006.

The Nari Shakti Puraskar is awarded to her in recognition of her work for marginalised people through Hindi Sahitya.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021









## INDIVIDUAL



# Niranjanaben Mukulbhai Kalarthi

Surat, Gujarat

निरंजनाबेन एक लेखिका और शिक्षिका हैं, जिन्होंने गुजराती साहित्य में बहुत योगदान दिया है। उनकी कई उल्लेखनीय कृतियों में 'बा और बापू' और 'गुजरातना शिरछत्र सरदार' शामिल हैं। उन्होंने 1988 में मुकुल ट्रस्ट, बारडोली, 1996 में सरदार कन्या विद्यालय और स्वराज आश्रम, बारडोली की स्थापना की, जिसने गुजराती आदिवासी और वंचित लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद की है। उन्हें 1989 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार और 2003 में भाऊराव देवरस स्मृति द्वारा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया था। गुजराती भाषा को बढ़ावा देने और वंचित आदिवासी लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

Niranjanaben is an author and educator, who contributed immensely to Gujarati literature. Her notable work include 'Ba and Bapu' and 'Gujaratna Shirchhatra Sardar', among many other books. She founded Mukul Trust, Bardoli in 1988, Sardar Kanya Vidyalaya, and Swaraj Ashram, Bardoli in 1996, which have helped Gujarati tribal and underprivileged girls in getting education. She was awarded with National Teachers Award by the Government of India in 1989 and Sewa Samman by Bhaurav Devras Smriti in 2003. The Nari Shakti Puruskar is awarded to her for promoting Gujarati language and to promote the education of underprivileged tribal girls.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



# Pooja Sharma

Gurugram, Haryana

किसान और उद्यमी पूजा शर्मा हरियाणा के गुरुग्राम की रहने वाली हैं, जिन्होंने 2013 में गुड़गांव स्थित स्वयं सहायता समूह 'क्षितिज' और 2017 में दिल्ली स्थित 'जिंगएनजेस्ट' कंपनी बनाई है। उन्होंने प्रोसेस्ड सोया, सोया हेल्थ ड्रिंक, बिस्कुट और अन्य सोयानट वस्तुएं बनाने के लिए आईएआरआई-मानकीकृत तकनीक का उपयोग किया। उन्होंने 9 स्वयं सहायता समूहों की स्थापना की और हरियाणा में 1,000 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया। उनकी खाद्य निर्माण इकाइयां लगभग 150 महिलाओं को रोजगार देती हैं।

2016 में, आईसीएआर ने उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार और नवोन्मेषी कृषि सम्मान से सम्मानित किया है। कौशल विकास और महिलाओं के सशक्तिकरण और उद्यमिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Pooja Sharma, a farmer and entrepreneur hails from Gurugram, Haryana. Created Gurgaon based Self Help Group 'Kshitiz' in 2013 and Delhi based 'ZingNZest' Company in 2017. She used IARI-standardized technology to make processed soy, soy health drink, biscuits and other soynut items. She established 9 SHGs and trained more than 1,000 women in Haryana. Her food manufacturing units employ nearly 150 women.

In 2016, ICAR awarded her with Pandit Deen Dayal Upadhyay Antyodya Krishi Puraskar and Navonmeshi Krishik Samman. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for her outstanding contribution in the field of skill development and empowerment of women and entrepreneurship.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL

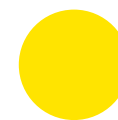


# Radhika Menon

Dharwad, Karnataka

मर्चेन्ट नेवी की पहली भारतीय महिला कैप्टन राधिका मेनन, केरल के त्रिशूर की रहने वाली हैं। वे जून, 2015 में 'एमटी संपूर्ण स्वराज्य' जहाज की कमान के दौरान सफलतापूर्वक चलाए गए अपने बचाव अभियान में नाव में एक सप्ताह तक फंसे रहे 7 मछुआरों को बचाने के लिए चर्चित हुईं। वे 2016 में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) द्वारा समुद्र में असाधारण वीरता और एनएमडीसी इंडिया द्वारा समुद्र में वीरता के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाली दुनिया की पहली महिला हैं। भारतीय मर्चेन्ट नेवी में उत्कृष्टता और अनुकरणीय साहस के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Radhika Menon, the first Indian Woman Captain of Merchant Navy, hails from Thrissur, Kerala and is well known for her rescue operation conducted successfully in June, 2015 saving 7 fishermen who were trapped for a week in a boat while in command of 'MT Sampurna Swarajya' ship. She is first woman in the world to receive Award for Exceptional Bravery at Sea by International Maritime Organisation (IMO) & Gallantry at Sea by NMDC India in 2016. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for excellence in Indian Merchant Navy & exemplary courage.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



# Sathupati Prasanna Sree

Visakhapatnam, Andhra Pradesh

प्रोफेसर और बोर्ड ऑफ स्टडीज, आंध्र विश्वविद्यालय की अध्यक्ष सथुपति प्रसन्ना श्री, एक भारतीय भाषाविद् हैं, जिन्होंने अल्पसंख्यक आदिवासी भाषाओं को संरक्षित करने और आदिवासी भाषाओं के लिए नई लेखन प्रणाली विकसित करने के लिए काम किया है। वे 19 आदिवासी भाषाओं जैसे भगता, गदभा, कोलामी, कोंडा डोरा आदि के लिए लिपियां (अक्षर) तैयार करने वाली दुनिया की पहली महिला हैं। लेखन के क्षेत्र में उन्होंने 'पूर्व और पश्चिम के उत्तर आधुनिक साहित्य में महिलाओं की मनोगतिकी', 'चुप्पी के रंग', और 'शशि देशपांडे के उपन्यासों में महिलाएं - एक अध्ययन' आदि जैसी अन्य रचनाओं के द्वारा योगदान दिया है। वे वर्ल्ड एटलस ऑफ एन्डेंजर्ड अल्फाबेट्स, यूएसए (2019) में प्रदर्शित होने वाली पहली भारतीय और एशियाई महिला हैं। अल्पसंख्यक आदिवासी भाषाओं के संरक्षण हेतु उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Sathupati Prasanna Sree, Professor & Chairperson of the Board of Studies, Andhra University, is an Indian linguist who has worked to preserve minority tribal languages and developed new writing systems for tribal languages. She is the 1st woman in the world to devise scripts (alphabets) for 19 tribal languages namely Bhagatha, Gadabha, Kolami, Konda Dora etc. Her literary contributions includes works such as 'Psychodynamics of Women in Postmodern Literature of the East and West', 'Shades of Silence', and 'Woman in Shashi Deshpande's Novel - A Study,' among others. She is the 1st Indian and Asian woman to be featured in World Atlas of Endangered Alphabets, USA (2019). The Nari Shakti Puraskar is awarded to her exceptional contribution for preserving minority tribal languages.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



शोभा गस्ती ने गैर-सरकारी संगठन महिला अभिवृद्धि मट्टू संरक्षण समष्टि (एमएसएसएस) की स्थापना की जो कर्नाटक के बेलगाम में तीन तालुकों के 360 गांवों में काम करता है। एमएसएसएस देवदासी प्रथा को समाप्त करके हुए बेलगाम जिले में 3600 से अधिक देवदासियों को मुख्यधारा में लाने में सफल हुआ। उन्होंने सार्वजनिक अपील करके और बाल विवाह, बाल दुर्व्यापार और बाल शोषण को रोककर बालिकाओं की गरिमा और शिक्षा सुनिश्चित करते हुए, देवदासी प्रथा को हतोत्साहित किया। महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए उल्लेखनीय प्रयासों और अनुकरणीय योगदान के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

## Shobha Gasti

Belagavi, Karnataka

Shobha Gasti started Mahilla Abhivrudhi Mattu Samrakshana Samasthe (MASS), NGO that works in 360 villages across three talukas in Belgaum, Karnataka. MASS was effective in mainstreaming 3600+ devadasis in the Belgaum district; putting an end to the practise of forced Devdasi. She has strategically desecrated symbols of ritual sanction to the practise of devdasi system by publicly appealing to people and through campaigns that focuses on ensuring the dignity and education of girl children by preventing child marriage, child trafficking, and child abuse. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for remarkable efforts & exemplary contribution for the cause of empowerment of women and girls.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



# Sruti Mohapatra

Bhubaneswar, Odisha

श्रुति मोहापात्रा, दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता, ओडिशा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पूर्व अध्यक्ष हैं। वे राष्ट्रीय दिव्यांगजन अधिकार समिति की मौजूदा सदस्य भी हैं जो 'व्हीलचेयर में क्रूसेडर' के तौर पर जानी जाती हैं। 2001 में, उन्होंने ओडिशा में दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों 'स्वाभिमान' और 'शेयर' की स्थापना की। उन्होंने दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रोजेक्ट अंजलि और दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा और स्वरोजगार सहायता के लिए अन्य परियोजनाएं भी स्थापित की हैं। उन्होंने 1996 में पीडब्ल्यूडी अधिनियम और 2016 में आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम पारित करने के लिए काम किया। उन्हें 2013 में विद्या भवन समाज सेवा पुरस्कार और 1992 में राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिव्यांगजनों के उत्थान और सशक्तिकरण में उनकी अदम्य भावना और उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Sruti Mohapatra, a disability rights activist is a former Chairperson of the Odisha State Commission for the Protection of Child Rights and a current Member of the National Committee on the Rights of Persons with Disabilities. She is known as the 'Crusader in a Wheelchair'. In 2001, she founded 'Swabhiman' and 'SHARE', NGOs working for upliftment of divyangjan in Odisha. She also founded Project Anjali for Divyang children to showcase their talents and other projects for education and self-employment support for Divyangjan. She worked for the passage of the PWD Act in 1996 and the RPWD Act in 2016. She was awarded with Vidya Bhawan Social Service Award in 2013 and National Young Scientist Award in 1992. The Nari Shakti Puruskar is awarded to her indomitable spirit and for outstanding contribution towards upliftment and empowerment of Divyangjan.



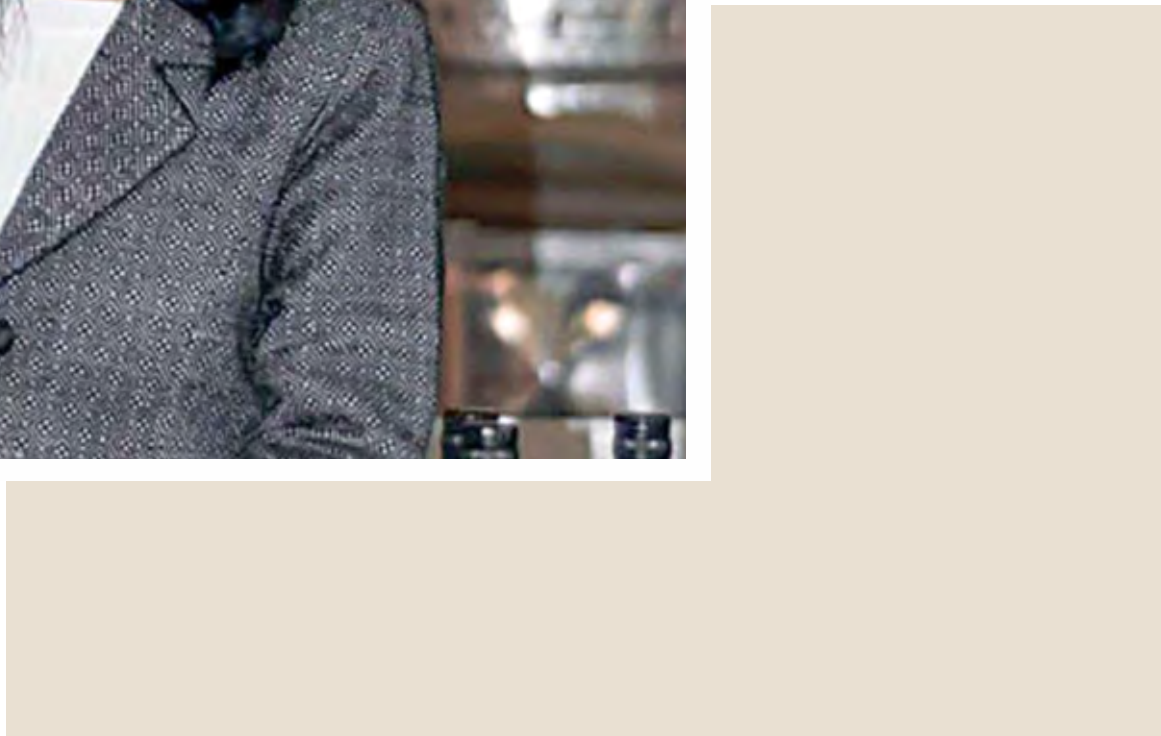
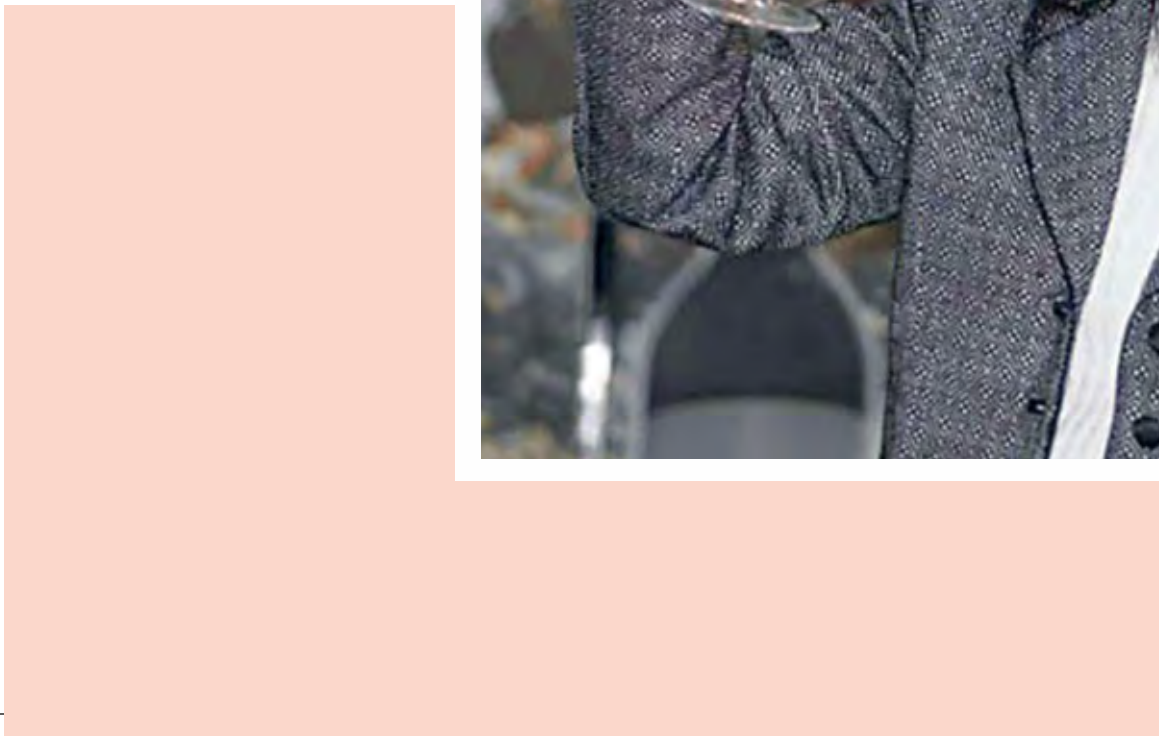
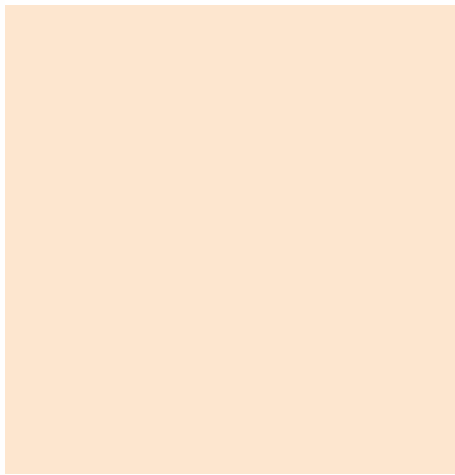
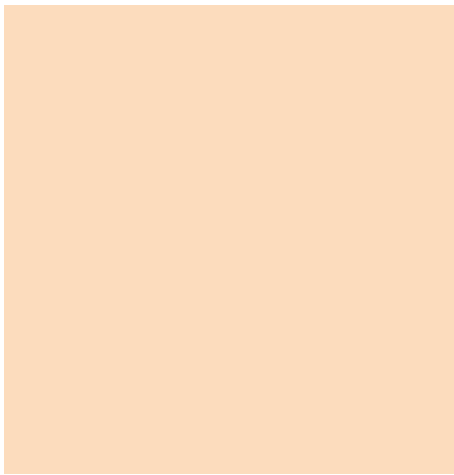
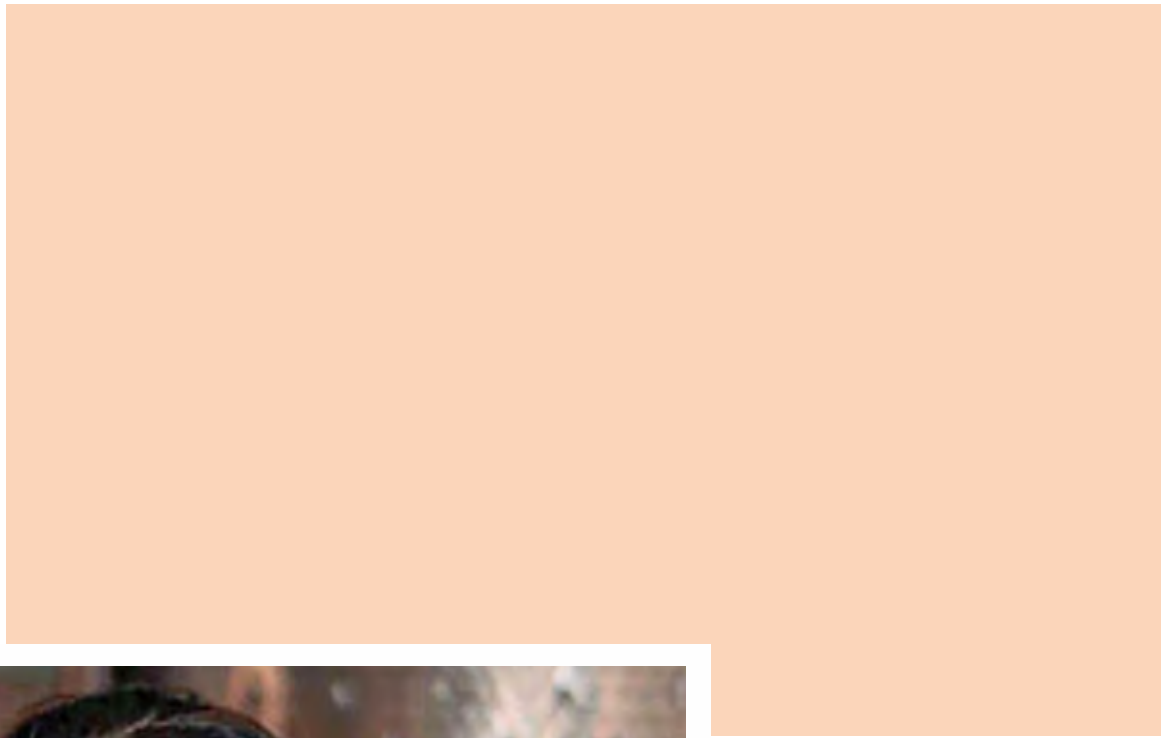
# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021







## INDIVIDUAL



# Tage Rita Takhe

Subansiri, Arunachal Pradesh

तागे रीता ताखे एक उद्यमी हैं जो भारत की पहली ऑर्गेनिक कीवी वाइन 'नारा आबा' का उत्पादन करती हैं, जिसकी वार्षिक क्षमता लगभग 60,000 लीटर है और इसका टर्नओवर 4.5 करोड़ रुपये है। वे मूलतः इंजीनियर हैं परंतु उद्यमी बनने के लिए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। 2016 में लोअर सुबनसिरी, अरुणाचल प्रदेश में "लंबू-सुबू फूड एंड बेवरेज", 'नारा-आबा वाइन' की स्थापना की। उन्हें 'द यूनाइटेड नेशंस' वूमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। महिला उद्यमिता और स्थानीय उत्पाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने में उत्कृष्टता के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

Tage Rita Takhe is an entrepreneur who produces 'Naara Aaba', India's first organic kiwi wine, with an annual capacity of approximately 60,000 litres and a turnover of ₹4.5 crores. She is an engineer by qualification, however, left her job to become entrepreneur. She founded "Lambu - Subu Food and Beverages", 'Naara-Aaba wine' in 2016 in Lower Subansiri, Arunachal Pradesh. She has been awarded 'The United Nations' Women Transforming India Award'. The Nari Shakti Puraskar is given to her for excellence in promoting women entrepreneurship and local product internationally.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021





## INDIVIDUAL



# Thara Rangaswamy

Chennai, Tamil Nadu

वे चेन्नई में सिजोफ्रेनिया रिसर्च फाउंडेशन (स्कार्फ) की सह-संस्थापक और उपाध्यक्ष हैं। वे एक मनोचिकित्सक और शोधकर्ता हैं। उन्होंने तमिलनाडु के सात ग्रामीण जिलों में एक मुफ्त मोबाइल टेली-मनोचिकित्सा सेवा की स्थापना की और 35 से अधिक वर्षों से सिजोफ्रेनिया के रोगियों पर 'मद्रास लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी' की। उनकी कृति 'इंडियन डिसेबिलिटी इवैल्यूएशन एंड असेसमेंट स्केल (आइडियाज)' का भारत सरकार द्वारा मानसिक विकारों का आकलन करने के लिए उपयोग किया जाता है। वे विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ समूह की सदस्य भी रहीं। उन्हें 2010 में ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ साइकियाट्रिस्ट का राष्ट्रपति पदक और 2020 में सिजोफ्रेनिया इंटरनेशनल रिसर्च सोसाइटी का उत्कृष्ट नैदानिक और सामुदायिक अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त हुआ। मानसिक विकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने और उनके इलाज हेतु उनके नूतन और अथक प्रयासों के लिए उन्हें नारी शक्ति पुरस्कार दिया जाता है।

She is the co-founder and Vice Chairperson of Schizophrenia Research Foundation (SCARF) in Chennai. She is a Psychiatrist and Researcher. She established a free mobile tele-psychiatry service in seven rural districts of Tamil Nadu and conducted the 'Madras Longitudinal Study,' for more than 35 years on Schizophrenia patients. Her creation 'Indian Disability Evaluation and Assessment Scale (IDEAS)' is used by the Government of India to assess mental disorders. She was also a member of the World Health Organization's Mental Health Expert Group. She has received President's Medal, Royal College of Psychiatrists, UK in 2010 & Outstanding Clinical and Community Research Award from Schizophrenia International Research Society in 2020. The Nari Shakti Puraskar is awarded to her for her innovative and relentless efforts to create awareness and cure for mental disorders.



# Nari Shakti Puraskar

Compassion, Ability, Courage

नारी  
शक्ति  
पुरस्कार  
करुणा, क्षमता, साहस

2020 - 2021

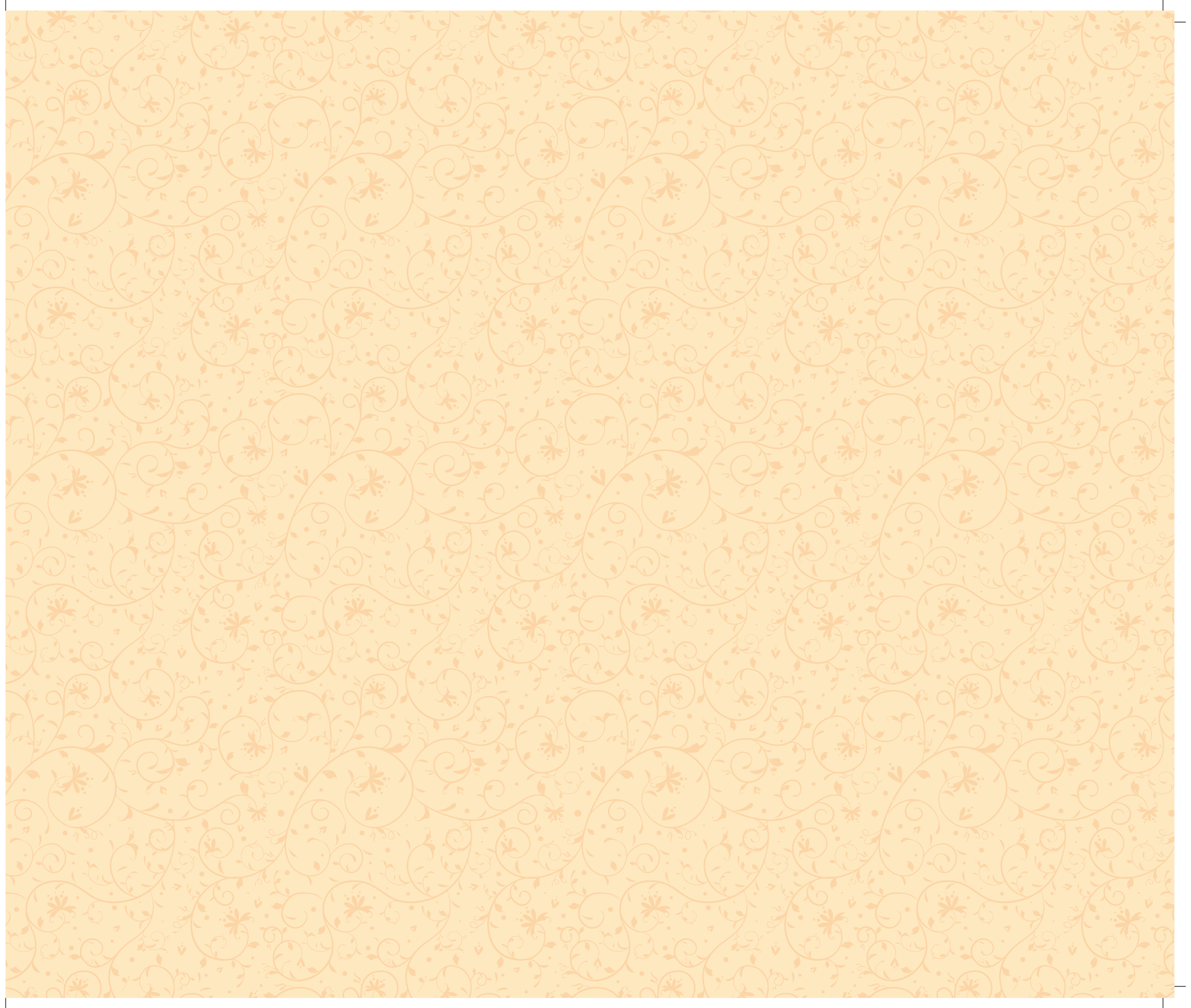
— |

|

— |

|







नए समाज की ओर  
Towards a new dawn

**Ministry of Women & Child Development**  
**Government of India**  
[www.wcd.nic.in](http://www.wcd.nic.in)